Bihar Board Class 12 English Poetry Notes Chapter 10 My Grandmother's House

KAMALA DAS (b. March 31, 1934), poet and short story writer, has earned a respectable place in both English and Malayalam literature. Her autobiography, published in 1976, created quite a stir. In 1984, she was short listed for the Nobel Prize for literature. Her important volumes of verse in English include Summer in Kolkata (1963), Sirens (1964), The Descendents (1967), The Old Playhouse and other Poems (1973), The Anamatal Poems (1985), Only Saint Knows How to Sing (1996), and Yes Allah (2001). Kamala Das's poetry is primarily autobiographical and her theme is love of a lonely heart – love with never ending passion, lust, greed and hunger that never satiate. She is known for sexual adventures in her writings: for her, love hardly ever goes beyond sex and lust – which even reaches the point of nausea, and is reborn again and again with new vigour. Kamala Das reveals a commendable mastery of phrase and control over rhythm .The words are often painted and the rhythm is marvellously, almost feverously, alive.

कमला दास,कवि, और लघु कहानियों के लेखक ने अंग्रेजी और मलयालम दोनों साहित्य में एक सम्मानजनक स्थान प्राप्त किया है। उनकी आत्मकथा 1976 ई० में प्रकाशित हुई, जो हलचल मचा दिया। 1984 में, उन्हे साहित्य में नोबेल पुरस्कार के लिए शार्ट, निस्ट (चयन) किया गया था। (लेकिन इन्हें नोबेल पुरस्कार नही मिला था।) उनकी अंग्रेजी की रंचनाएँ समर इन कलकत्ता, साइरन्स, द ओल्ड प्लेहाउस, एण्ड उदर पोएम्स, द एनामेटल पोएम्स, ओन्ली संत नोज हाऊ टू सिंग और यस अल्लाह शामिल है।

कमला दास की कविताएँ मुख्य रूप से आत्मकथात्मक होती है। और उनकी थीम (विषय-वस्तु) अकेलापन दिल का प्यार है- कभी खत्म नहीं होने वाला प्यार, वासना, लालच और भुख जो कभी संतुष्ट नही होता है। वह आदमी रचनाओं में सेक्सुअल रोमांच के लिए जानी जाती है।

उनके लिए, प्यार सदा सेक्स और वासना से परे होता है, जो नफरत तक भी पहूँच जाता है और नये जोश के साथ फिर दोबारा जन्म लेता है।

कमला दास ने लय पर वाक्यांश और नियंत्रण की एक सराहनीय महारत का खुलासा किया। शब्दों को अक्सर चित्रित किया जाता है और लय अद्‌भुत रूप से, लगभग बुखार से, जीवंत होती है।

MY GRANDMOTHER'S HOUSE

There is a house now far away where once I received love. That woman died,
The house withdrew into silence, snakes moved

Among books I was then too young
To read, and, my blood turned cold like the moon.
How often I think of going
There, to peer through blind eyes of windows or

Just listen to the frozen air,
Or in wild despair, pick an armful of
Darkness to bring it here to lie
Behind my bedroom's door like a brooding
Dog ... you cannot believe, darling
Can you, that I lived in such a house and
Was proud, and loved ...
I who have lost

My way and beg now at strangers' doors to
Receive love, at least in small change?

यहाँ से बहुत दूर एक हार है, जहाँ मैं एक बार
प्यार पायी थी। वह महिला मर गयी।
उस घर में सन्नाटा छा गया है। साँप घूमनें लगें हैं।

जब मैं बहुत छोटी थी, किताबों के बीच पढ़ती थी।
और मेरा खुन चन्द्रमा की तरह ठंडा हो गया।
मैं वहाँ कितनी बार जाने के बारे में सोंचा।
खिड़कियों के बंद आँखों से देखने के लिए या
बस रूकी हुई (ठंडी) हवाओं को सुनें
या जंगली मायूशी में, मूट्ठी भर अँधेरा उठाकर यहाँ
लाकर एक विचारमंद कुत्ते के जैसा मेरे
बेडरूम के पिछें रख दूँ।

मेरे प्रिय तुम विश्वास नही कर सकतें, क्या तुम कर सकते हों कि मैं ऐसे घर में रहती थी और मुझे गर्व होता था और प्यार पाती थी मैं जों अपना रास्ता खो चूकी हूँ और प्यार पाने के लिए अजनबीयों (अपरिचित) के दरवाजे पर अब भीख माँगती हूँ। कम-से-कम छोटे बदलाव में ?

https://www.evidyarthi.in/